

# डॉ. डेव मैथ्यूसन, रहस्योद्घाटन, व्याख्यान 14, प्रकाशितवाक्य 8 और 9, सात तुरहियाँ और निर्गमन कल्पना

© 2024 डेव मैथ्यूसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक पर अपने पाठ्यक्रम में डॉ. डेव मैथ्यूसन हैं। यह सत्र 14 है; प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 और 9, सात तुरहियाँ, और निर्गमन कल्पना।

हमने देखा है कि जॉन एक्सोडस मोटिफ को चित्रित करता है, वास्तव में एक मोटिफ जिसे हमने पहले ही जॉन के साथ एक्सोडस 19.6 का उपयोग करते हुए और संपूर्ण एक्सोडस कथा के अर्थ में एक्सोडस कहानी पर चित्रण करते हुए देखा है।

और हम देखेंगे कि यह रहस्योद्घाटन में अन्यत्र भी भूमिका निभाएगा। इतना ही नहीं, जॉन केवल मूल निर्गमन कहानी तक ही नहीं जाता है; वह भी उठाएगा, हम कई स्थानों पर देखेंगे, और मैं इसका उल्लेख करूंगा क्योंकि यह पहली जगह है जहां उसने एक्सोडस मोटिफ पर विस्तार से चित्र बनाना शुरू किया है। बाद में, जॉन यशायाह द्वारा निर्गमन रूपांकन के उपयोग पर भी निर्भर करता है, जिसे यशायाह दूसरे या नए निर्गमन के संकेत के रूप में उपयोग करता है।

यशायाह के अध्याय 40 से 66 तक निर्गमन की कल्पना छिपी हुई है, जहां भविष्यवक्ता यशायाह परमेश्वर के लोगों के भविष्य के उद्धार को पहले निर्गमन के अनुरूप एक नए निर्गमन के रूप में चित्रित करता है। और इसलिए जॉन उस पर विचार करता है, और फिर जॉन स्वयं निर्गमन की पुस्तक से मूल निर्गमन पर वापस जा सकता है और इस नए निर्गमन का वर्णन करने के लिए ऐतिहासिक निर्गमन की कुछ विशेषताओं को आकर्षित कर सकता है जिसका उद्घाटन ईसा मसीह ने लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए किया है। लोग गुलामी और गुलामी से रोम और पाप और बुराई की ओर बढ़ रहे हैं, और अब पुजारियों का राज्य बना रहे हैं। और अब हम ईश्वर को उनके उद्धार की प्रत्याशा और प्रकाशितवाक्य 21 और 22 की नई रचना में उनकी अंतिम विरासत की प्रत्याशा में देखते हैं।

जैसा कि उसने निर्गमन के दिनों में किया था, ईश्वर, एक बार फिर, एक ईश्वरविहीन, दुष्ट साम्राज्य पर अपनी विपत्तियाँ और अपना न्याय बरसा रहा है। तो उसी तरह से भगवान ने मिस्र का न्याय किया, भगवान ने मिस्र का न्याय उसके उत्पीड़न और दुष्टता और बुराई के लिए किया, और अब भगवान अपने लोगों के एक नए पलायन में और एक दुष्ट साम्राज्य पर अपना फैसला सुनाकर फिर से ऐसा कर रहे हैं। दरअसल, एक लिहाज से जॉन के लिए यह कोई नई बात नहीं है।

एक और सर्वनाश से पढ़ने के लिए, यह एक सर्वनाश है जिसे अब्राहम का सर्वनाश कहा जाता है, और किसी ने वास्तव में अब्राहम के नाम पर एक दूरदर्शी अनुभव दर्ज करते हुए लिखा था। इब्राहीम के सर्वनाश अध्याय 30 में, यहां की सेटिंग पर ध्यान दें, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इसके अंत में विपत्तियों की गणना पर ध्यान दें। जब वह अभी भी बोल रहा था, मैंने खुद को पृथ्वी

पर पाया, और मैंने कहा, शाश्वत शक्तिशाली, मैं अब उस महिमा में नहीं हूँ जो मैं ऊपर था, और मैं वह सब नहीं समझता जो मेरी आत्मा मेरे दिल में समझना चाहती थी।

और उस ने मुझे से कहा, जो बातें तू अपने मन में चाहता है वह मैं तुझे समझाऊंगा। क्योंकि तुम उन दस विपत्तियों को जानना चाहते हो जो मैं ने अन्यजातियों के विरुद्ध तैयार की हैं, और मैं ने उन्हें पृथ्वी पर बारह घंटों के बीतने से पहले ही तैयार कर लिया है। यहाँ मैं आपको बताता हूँ: यह इस प्रकार होगा।

पहली विपत्ति, अधिक आवश्यकता का दुःख। शहर के लिए दूसरा, उग्र संघर्ष। तीसरा है मवेशियों में महामारी से विनाश।

चौथा है उनकी पीढ़ी की दुनिया में अकाल। शासकों में पांचवां, भूकंप और तलवार से विनाश था। छठा ओलावृष्टि और हिमपात में वृद्धि है।

सातवाँ जंगली जानवर अपनी कब्र में होगा। आठवाँ, महामारी और भूख या अकाल उनके विनाश को बदल देंगे। नौवां है तलवार से फाँसी देना, भागना और संकट।

और दसवां, गर्जन, शब्द और विनाशकारी भूकंप। तो इब्राहीम के सर्वनाश में ध्यान दें, मिस्र की दस विपत्तियों को दस और निर्णयों और विपत्तियों के लिए एक मॉडल के रूप में उपयोग किया जाता है जो मिस्र से अधिक प्रभावित करते हैं, लेकिन शहर, आदि आदि।

और इसलिए जॉन अब उन विपत्तियों का वर्णन करने के लिए एक नए पलायन का वर्णन करने में प्लेग कल्पना का भी उपयोग करता है जो भगवान अब पृथ्वी पर डालेंगे। फिर से, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि ये वास्तव में क्या हैं और ये कैसे दिखेंगे, इसका विवरण जानने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है; इसके बजाय, यह पहचान रहा है कि महत्व यह है कि ये निर्गमन की अपील करके भगवान के फैसले की प्रकृति और अर्थ की व्याख्या करते हैं। एक और बात यह है कि मुझे लगता है कि यहां भी ऐसा हो सकता है और यह महत्वपूर्ण हो सकता है, और यह उसी तरह है कि पलायन की विपत्तियां, एक स्तर पर, मिस्र के देवताओं का न्याय करने के लिए थीं या देवताओं के उद्देश्य से थीं मिस्र का।

और मुझे लगता है कि कई लोगों ने प्रदर्शित किया है कि अधिकांश विपत्तियों के पीछे कुछ देवताओं पर हमला था जिनकी मिस्रवासी पूजा करते थे। उसी तरह, मुझे आश्चर्य है कि क्या मिस्र की विपत्तियों पर आधारित तुरही की विपत्तियाँ भी रोमन देवताओं और सम्राट पूजा जैसी चीजों में निवास करने वाली मूर्तिपूजा के उद्देश्य से नहीं हैं। और यह देखने के लिए आगे काम करना दिलचस्प होगा कि क्या कुछ देवता इन विपत्तियों के पीछे छिपे हो सकते हैं।

लेकिन निश्चित रूप से, उन्हें मिस्र की विपत्तियों पर आधारित करने के बाद, मुझे आश्चर्य है कि क्या हम इन्हें एक स्तर पर रोम के देवताओं, रोमन साम्राज्य की मूर्तिपूजा, सम्राट सहित उनके देवताओं पर हमले या फैसले के रूप में नहीं देख रहे हैं। पूजा भी करें. तो, यह कहने के बाद कि मैं जो करना चाहता हूँ वह प्रत्येक तुरहियों को संक्षेप में देखना है और शायद कुछ टिप्पणियां करना है कि वे क्या संकेत दे सकते हैं और उनमें क्या शामिल हो सकता है। लेकिन अंत में, उन्हें

एक साथ खींचना और इन तुरही विपत्तियों के साथ क्या हो रहा है, इसकी एक समग्र तस्वीर पेश करने की कोशिश करना।

लेकिन मैं शुरुआत में ही कहना चाहूँगा; मुझे विश्वास है कि आठ और नौ एक साथ, मुझे लगता है, मुख्य रूप से लोगों की, दुष्ट, ईश्वरविहीन लोगों की मूर्तिपूजा के उद्देश्य से हैं। और शायद फिर से, विशेष रूप से रोमन धर्म और रोमन शासन और काम करने और दुनिया को देखने की पूरी रोमन प्रणाली में निहित मूर्तिपूजा पर। तुरही नंबर एक.

तुरही संख्या एक को आग या ओलों और रक्त के साथ मिश्रित आग के रूप में वर्णित किया गया है। मेरी राय में, यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि इसे प्रतीकात्मक रूप से समझा जाना चाहिए, शाब्दिक रूप से नहीं। आप इसके बारे में सोचें, हालाँकि हम कुछ वैज्ञानिक व्याख्या के बारे में सोचने में सक्षम हो सकते हैं, मुझे यकीन नहीं है कि पहली सदी के पाठक कभी इसे समझ पाए होंगे।

मुझे ऐसा लगता है कि उनके लिए आग के साथ ओले मिश्रित होना एक तरह से विरोधाभास होगा। और इसके अलावा, यह खून में मिला हुआ है। लेकिन यहाँ ओलों की महामारी स्पष्ट रूप से निर्गमन अध्याय नौ से सातवीं मिस्र की महामारी से मिलती जुलती है।

और मैं पीछे जाकर उसे नहीं पढ़ूँगा, लेकिन कभी-कभी आप पीछे जाकर पढ़ सकते हैं और मिस्रवासियों पर आई ओलों की विभीषिका को याद कर सकते हैं। हालाँकि, दोनों के बीच अंतर दोगुना है। ध्यान दें, सबसे पहले, कि यह मिस्र की भूमि तक ही सीमित नहीं है, मिस्र की महामारी की तरह, बल्कि अब यह एक ऐसी महामारी है जो पूरी पृथ्वी पर फैल गई है।

फिर भी पृथ्वी का केवल एक-तिहाई भाग ही प्रभावित है। और जब मैंने अध्याय आठ पढ़ा तो आप देखेंगे कि एक तिहाई को कितनी बार दोहराया गया। एक-तिहाई को अध्याय छह में मुहरों से जुड़े एक-चौथाई से बड़ा समझा जाना चाहिए।

हमने यह भी कहा कि एक तिहाई निर्णय की सीमा का सुझाव देता है। यानी फैसला कितना भी गंभीर क्यों न हो, उसे सीमित रूप में ही देखा जाना चाहिए। यानी, अभी भी बड़े फैसले का पालन करना बाकी है।

यहाँ केवल एक-तिहाई का संकेत, जो एक सीमा है, भगवान की दया का संकेत दे सकता है, लेकिन अधिक प्राथमिक रूप से, यह सुझाव देता है कि ये केवल प्रारंभिक निर्णय हैं। ये केवल आने वाले बड़े फैसले की प्रत्याशा है। इसलिए यह निर्णय पूरी पृथ्वी को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके केवल एक हिस्से को प्रभावित करता है।

क्योंकि यह प्रतीकात्मक है, हमें संभवतः, जैसा कि हमने कई बार दोहराया है, इस वर्तमान पृथ्वी की जनसंख्या का निर्धारण नहीं करना चाहिए और फिर उनमें से एक-तिहाई को सचमुच इससे प्रभावित होने की कल्पना नहीं करनी चाहिए। लेकिन फिर, एक-तिहाई लोग इस निर्णय की एक सीमा का सुझाव देते हैं। इसका प्रभाव संपूर्ण पृथ्वी पर नहीं पड़ता।

लेकिन यह संभव है कि जब आप इस फैसले को पढ़ेंगे, तो यह संभव है कि यह एक ऐसे अकाल की ओर इशारा करता है जो प्रकाशितवाक्य अध्याय छह की तीसरी मुहर से भी अधिक तीव्र और गंभीर है। लेकिन इसके अलावा, फिर से, यह बताना मुश्किल है कि क्या यह निर्णय अपने आप में है। क्या यह तुरही एक शारीरिक प्लेग है, या यह कुछ आध्यात्मिक है, या यह दोनों का संयोजन है? हम, अंत में, इन्हें एक साथ इकट्ठा करेंगे और शायद सुझाव देंगे कि कुल मिलाकर इनमें से कुछ तुरही के साथ क्या हो सकता है। तुरही नंबर दो।

तुरही संख्या दो में, एक जलता हुआ पहाड़ अब समुद्र में फेंक दिया गया है। संभवतः, इस छवि के ये दो भाग, जलते हुए और पहाड़ दोनों, महत्वपूर्ण हैं। जलाने से निर्णय होगा।

और फिर यह तथ्य कि यह एक पर्वत है, संभवतः एक राज्य का सुझाव देता है। तो, पर्वत एक राज्य का प्रतिनिधित्व या प्रतीक है। और इसलिए हमारे यहां जो कुछ है वह एक दुष्ट साम्राज्य पर परमेश्वर का न्याय है।

निर्णय को जलने या आग के रूप में चित्रित किया गया है। इसकी पृष्ठभूमि शायद यिर्मयाह और अध्याय 51 है। और इसलिए हम अपनी कल्पना की समझ के लिए पुराने नियम में वापस आ गए हैं।

यिर्मयाह अध्याय 51 में, विशेष रूप से श्लोक 25, यिर्मयाह 51 और श्लोक 25 में, हे विनाशकारी पर्वत, मैं तुम्हारे विरुद्ध हूँ। एक पहाड़ की कल्पना पर ध्यान दें। यहोवा की यही वाणी है, कि तू सारी पृथ्वी का नाश करता है।

मैं तुझ पर अपना हाथ बढ़ाऊंगा, और तुझे चट्टानों पर से लुढ़का दूंगा, और तुझे जला हुआ पहाड़ बना दूंगा। और इसलिए जलते हुए पहाड़ की यह कल्पना संभवतः यिर्मयाह अध्याय 51 जैसे पाठ से आती है, जहाँ पहाड़ एक राज्य का प्रतिबिंब प्रतीत होता है। और इसलिए यहाँ पर्वत संभवतः एक दुष्ट साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करता है, विशेष रूप से पहली शताब्दी में, रोमन साम्राज्य में सन्निहित।

इसके अलावा, एक्सोडस प्लेग की ओर लौटते हुए, इस प्लेग के बाकी हिस्सों का कहना है कि पृथ्वी का एक तिहाई हिस्सा जल गया था। चलो देखते हैं। दरअसल, समुद्र का एक तिहाई हिस्सा खून में बदल गया, जो समुद्र और उसके सारे पानी को नील नदी को खून में बदलने की एक्सोडस प्लेग की याद दिलाता है।

तो, समुद्र का एक तिहाई हिस्सा खून में बदल गया है। इसमें रहने वाले एक तिहाई जीव मर जाते हैं। और दिलचस्प बात यह है कि सभी जहाजों में से एक तिहाई नष्ट हो गए।

तो फिर, जहाजों के नष्ट होने का जिक्र, क्या यह फिर से संभव है कि इसे रोम के वाणिज्य पर हमले या फैसले के रूप में देखा जाए? फिर, रोम के काम करने के तरीके को साम्राज्य के अंतिम तख्तापलट में ही दर्शाया जाएगा, जो पहाड़ को फेंकने, पहाड़ को जलाने और उसे नीचे फेंकने का प्रतीक है। और क्या यह संभव है, हालाँकि, यह उन देवताओं पर भी निर्णय है जो रोम के पीछे

हैं और उन देवताओं पर भी जो रोमन वाणिज्य के पीछे हैं? तुरही संख्या तीन. और जैसा कि मैंने पहले कहा है, यह बताना मुश्किल है कि हम इसे लेने के लिए कितने शारीरिक हैं।

क्या इसकी प्रकृति अधिक भौतिक है? क्या निर्णय अधिक आध्यात्मिक प्रकृति का है? जॉन मुख्य रूप से ईश्वर की प्रकृति और ईश्वर के न्याय के महत्व की व्याख्या और वर्णन करने के लिए निर्गमन और पुराने नियम की कल्पना का उपयोग करने में रुचि रखते हैं। लेकिन तुरही संख्या तीन तुरही संख्या दो के समान है, जहां एक तीसरा देवदूत अब तुरही बजाता है, और अब हमें एक प्लेग मिलता है जिसे एक महान सितारा के रूप में जाना जाता है जो जल रहा है, जो अब आकाश से नीचे गिर जाता है, और अब यह पानी को प्रभावित करता है. तो पृथ्वी को प्रभावित करने वाले पहले चरण से प्रगति पर ध्यान दें।

घास प्रभावित है, एक तिहाई पेड़, एक तिहाई पृथ्वी, एक तिहाई घास, और फिर दो और तीन, अब जल, समुद्र प्रभावित है। और इसलिए अब यहां तुरही संख्या तीन के साथ, तीसरा देवदूत अब नीचे आ रहे महान तारे में इसे जारी करता है, जो पूरे पानी को प्रभावित करता है। सर्वनाशी साहित्य में एक सितारा था, जो अक्सर एक देवदूत प्राणी का प्रतीक होता था।

और शायद यहाँ का महान तारा किसी प्रकार के देवदूत प्राणी का प्रतीक है, शायद एक दुष्ट व्यक्ति जो अब नुकसान पहुँचाने के लिए आता है। और इस तारे का परिणाम यह है कि सारा पानी फिर से कड़वा हो गया है, जो निर्गमन 7 को प्रतिबिंबित करता है और निर्गमन प्लेग में सभी पानी के नुकसान को दर्शाता है। अब, वह यहाँ दोहराया गया है।

दिलचस्प बात यह है कि इसमें कहा गया है कि तारे को वर्मवुड कहा जाता है। इसका मतलब यह था कि कीड़ाजड़ी एक कड़वा पौधा था। और इसलिए यहां तस्वीर यह है कि पानी बेहद कड़वा, यहां तक कि जहरीला हो गया है, जिससे कि यह पीने के लिए अनुपयुक्त है और यह उन लोगों के लिए नुकसान या यहां तक कि मौत का कारण बन सकता है जिन्होंने वास्तव में इसे पीया है।

लेकिन यह बताना बहुत मुश्किल है कि हम इसे शारीरिक रूप से कितना स्वीकार कर सकते हैं, शाब्दिक रूप से तो बिल्कुल नहीं। क्या इसका तात्पर्य भौतिक प्रकार के निर्णय से है, आध्यात्मिक प्रकार से, या दोनों के संयोजन से? क्या यह एक बार फिर रोम की अर्थव्यवस्था पर निर्णय है? क्या यह रोमन धर्म व्यवस्था और उसके पीछे छिपी मूर्तिपूजा पर भी एक निर्णय है? नंबर चार, फिर, सील नंबर चार, मुझे क्षमा करें, तुरही नंबर चार के परिणामस्वरूप एक देवदूत अपनी तुरही बजाता है। और अब ध्यान दें कि आकाश में नक्षत्र प्रभावित होते हैं।

और अंश एक-तिहाई की पुनरावृत्ति पर फिर से ध्यान दें, सीमा का सुझाव देते हुए, यह सुझाव देते हुए कि यह भगवान का अंतिम निर्णय नहीं है, कि यह केवल आने वाले समय का एक अग्रदूत है या अंतिम निर्णय जो अभी आना बाकी है। लेकिन चौथी तुरही के फूंकने से सभी नक्षत्र प्रभावित होते हैं। यह संभवतः निर्गमन 10 में प्लेग को दर्शाता है, जहां यहां को छोड़कर पूरे मिस्र में अंधेरा है, जो जॉन के उद्देश्य और यहां उसके इरादे के कारण एक तिहाई तक सीमित है।

न केवल आकाश अंधकारमय हो जाता है, बल्कि सभी नक्षत्र, सूर्य, चंद्रमा और तारे स्वयं, दिन का एक तिहाई और रात का एक तिहाई हिस्सा प्रकाश के बिना चला जाता है। प्रश्न फिर यह है कि हम इसे शारीरिक रूप से कितना स्वीकार कर सकते हैं? क्या यह संभव है, नंबर एक, फिर से, कि यह मूर्तिपूजा पर हमला या निर्णय है? शायद इन्हें रोम के देवताओं और इसके पीछे की धार्मिक व्यवस्था पर भगवान के फैसले के संकेत के रूप में लिया जाना चाहिए। लेकिन क्या यह भी संभव है कि शायद यहाँ का अंधकार उस मूर्खता या निरर्थकता और अंधकार को इंगित करता है जिसमें मूर्तिपूजा मानवता अब डूब गई है? इसलिए मुझे लगता है कि ग्रेग बीले, अपनी टिप्पणी में, इस प्लेग को मुख्य रूप से आध्यात्मिक अंधकार और देवताओं, बुतपरस्त देवताओं की पूजा करने, मूर्तिपूजा करने की पूर्ण निरर्थकता के संदर्भ में समझते हैं, मुख्य रूप से पहली सदी के पाठकों के लिए रोम की मूर्तिपूजा प्रथाओं में शामिल हैं।

तो, अध्याय 8 में पहले चार तुरहियाँ उन तक पहुँचने का एक बेहतर तरीका प्रतीत होता है, और उन्हें सामूहिक रूप से देखना संभव है। तो क्या यह संभव है? मैं संभव शब्द का उपयोग करता हूँ क्योंकि प्रतीकवाद की प्रकृति और इस तथ्य के साथ कि जॉन का चित्रण मुख्य रूप से निर्गमन विपत्तियों पर है, यह बताना मुश्किल है, मुझे लगता है, इनमें से प्रत्येक के बारे में उसके मन में वास्तव में क्या है। इसके बजाय, अधिक महत्वपूर्ण यह है कि ईश्वर के फैसले के धार्मिक महत्व और धार्मिक अर्थ पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो कि एक्सोडस प्लेग के संबंध में है।

लेकिन शायद पहली चार तुरहियाँ मूर्तिपूजा की पूर्ण निरर्थकता को प्रदर्शित करने के लिए हैं। ध्यान दें, जैसा कि मैंने कहा, इस तथ्य से प्रगति हुई कि भूमि प्रभावित हुई है, तथ्य यह है कि पानी प्रभावित हुआ है, और फिर तुरही संख्या चार में, तथ्य यह है कि सभी आकाश और नक्षत्र प्रभावित हुए हैं। और क्या यह संभव है कि अंतिम वाला, विशेष रूप से अंधेरे की भाषा और कल्पना, प्रतीकात्मक रूप से व्यर्थता और अंधेरे को आध्यात्मिक रूप से चित्रित करने के लिए है जिसमें मूर्तिपूजा करने वाले डूब जाते हैं और दुनिया के संसाधनों और संसाधनों पर निर्भर रहने की निरर्थकता होती है रोम अपनी मूर्तिपूजा प्रथाओं में।

अब आपके सामने उस पर भरोसा करने की पूर्ण निरर्थकता और पूर्ण आध्यात्मिक अंधकार की एक तस्वीर है जिसमें वे लोग जो दुनिया के संसाधनों पर भरोसा करते हैं और मूर्तिपूजा प्रथाओं में शामिल हैं, अब डूब गए हैं। और इसलिए अब वे अंधकार सह रहे हैं। कष्ट आध्यात्मिक और शारीरिक दोनों हो सकता है।

फिर, यह बताना बहुत कठिन है। लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण बिंदु जिस पर मैं बाद में वापस आऊंगा वह विशेष रूप से श्लोक 12 है, और श्लोक 12, इन चार विपत्तियों, तुरहियों में अंतिम, जिसके परिणामस्वरूप अंधकार होता है, संभवतः यह श्लोक एक प्रत्याशा के रूप में कार्य करता है परम अंधकार और न्याय जो प्रकाशितवाक्य 19 और 20 में घटित होता है। और इसलिए यह, केवल एक तिहाई को प्रभावित करके, फिर से, यह एक सीमित निर्णय है जो एक अग्रदूत या प्रत्याशा या चेतावनी के रूप में कार्य करता है कि अंतिम अलगाव क्या होगा भगवान की ओर से, अंधकार की अंतिम स्थिति क्या होगी, अंतिम न्याय में अंतिम पीड़ा और निरर्थकता कैसी होगी जो उन लोगों के लिए अध्याय 19 और 20 में वर्णित है जो पश्चाताप करने से इनकार करते हैं।

और मैं मुहरों की तरह इस बात पर भी जोर दूंगा कि हमें संभवतः इसे इस प्रकाश में पढ़ना चाहिए कि यह न केवल रोम पर ईश्वर का निर्णय है, बल्कि उन चर्चों पर भी ईश्वर का निर्णय है जो पश्चाताप करने से इनकार करते हैं। अध्याय 2 और 3, वे चर्च जो पश्चाताप करने से इनकार करते हैं, वे चर्च जो अपने वफादार गवाह से समझौता कर रहे हैं, वे चर्च जो रोम की ईश्वरविहीन, मूर्तिपूजक, दुष्ट व्यवस्था में लगे हुए हैं, उनके लिए, वे भी इन विपत्तियों के प्राप्तकर्ता होंगे। तो पहले चार तुरहियां सामूहिक रूप से रोम की मूर्तिपूजा और उन लोगों पर एक निर्णय हो सकती हैं जो पृथ्वी के संसाधनों पर, दुनिया के संसाधनों पर भरोसा करने की व्यर्थता और आध्यात्मिक अंधकार का प्रदर्शन करके रोम की मूर्तिपूजा में भाग लेते हैं। मूर्तिपूजा प्रणाली और आध्यात्मिक अंधकार जिसमें वे डूबे हुए हैं और वह व्यर्थता जिसमें वे अपनी मूर्तिपूजा प्रथाओं के कारण डूबे हुए हैं।

अब, अध्याय 9 में, जो हमने कहा था, उसकी प्रस्तावना एक उकाब के इस दिलचस्प शब्द से है जो तीन दुःख सुनाता है। ये तीन संकट फिर अंतिम तीन तुरहियाँ बजाते हैं। और हमने कहा कि उनमें से दो को अध्याय 9 में प्रस्तुत और अधिनियमित किया गया है। अध्याय 9 में, तीसरा अध्याय 11 की प्रतीक्षा करेगा।

लेकिन अध्याय 9 अब दो और निर्णय सुनाता है। और जो मैं बहुत संक्षेप में कहना चाहता हूँ वह संकटों के बारे में है। संकट भविष्यसूचक साहित्य से निकलते हैं और उनका उपयोग आम तौर पर निर्णय के संदर्भ में किया जाता है।

वे किसी के लिये शोक, और उस न्याय के लिये जो आनेवाला है, शोक की घोषणा हैं। इसलिए यहां संकट आने वाले निर्णयों पर ध्यान देने के लिए एक तरह से जागृति का काम करते हैं। फैसले की भयावहता के कारण शोक व्यक्त किया गया है।

इसलिए मैं उम्मीद करूंगा कि अध्याय 9 में आगे की तुरहियां शायद अध्याय 8 के पहले चार से भी अधिक भयानक प्रकृति की होंगी। यह भी ध्यान दें कि अध्याय 9 कैसे कुछ विपत्तियों के साथ शुरू होता है जो अध्याय से बहुत अलग चरित्र के होंगे 8. ध्यान दें कि श्लोक 13 इसका अनुमान कैसे लगाता है, न केवल संकटों की पुनरावृत्ति के साथ, बल्कि अध्याय 8 के श्लोक 13 में होने वाले विराम पर भी ध्यान दें, जो सुझाव देता है कि अध्याय 9 में अध्याय विभाजन बिल्कुल भी अच्छी तरह से नहीं रखा गया है। यदि कहीं है, तो यह अध्याय 8, श्लोक 13 में होना चाहिए। न केवल हमें इन तीन संकटों से परिचित कराया गया है, बल्कि श्लोक 13 पर ध्यान दें, जहां जॉन कहते हैं, मैंने देखा, और मैंने सुना, लगभग एक नए खंड की ओर ध्यान आकर्षित किया।

जैसा कि हमने कहा, अंतिम तुरही की पहचान तीन संकटों के रूप में की गई है। फिर अगली तुरही, तुरही संख्या पांच, तुरही संख्या पांच, या पंक्ति संख्या एक, अध्याय 9 में शुरू होती है। और मुझे अध्याय 9 पढ़ने दीजिए, जो अगले दो तुरहियों या पहले दो संकटों का विवरण है। और आप तुरंत ध्यान देंगे कि इन दोनों तुरहियों को अध्याय 8 के पहले चार के मुकाबले असंगत लंबाई दी गई है। याद रखें, पहले चार तुरहियां छंद छंद तक शुरू भी नहीं होती हैं।

और इसलिए पहले चार तुरहियों का वर्णन काफी तेजी से किया जाता है। लेकिन अब अध्याय 9 में, अगले दो तुरहियों का काफी विस्तार से विस्तार किया गया है, जो शायद उनके महत्व का सुझाव देता है। वास्तव में, मेरा सुझाव है कि इन्हें अधिक महत्वपूर्ण के रूप में देखा जाना चाहिए।

और दो संकटों के रूप में, हमें यह समझना होगा कि ये भयावह और महत्वपूर्ण विपत्तियाँ होने वाली हैं। और इसलिए अध्याय 9 और श्लोक 1 से शुरू करते हुए, ये तुरही पाँच और छह या दुःख एक और दो हैं। पाँचवें स्वर्गदूत ने तुरही बजाई, और मैंने एक तारा देखा जो आकाश से पृथ्वी पर गिर गया था।

तारे को रसातल के शाफ्ट की कुंजी दी गई थी। जब उसने रसातल को खोला, तो उसमें से एक विशाल भट्टी से निकलने वाले धुएँ की तरह धुआँ उठा। अथाह कुंड से निकलने वाले धुएँ से सूर्य और आकाश अंधकारमय हो गए और उस धुएँ से टिड्डियाँ पृथ्वी पर आ गईं।

और उन्हें पृथ्वी के बिच्छू के समान शक्ति दी गई। उनसे कहा गया था कि वे पृथ्वी की घास या किसी पौधे या पेड़ को नुकसान न पहुँचाएँ, बल्कि केवल उन लोगों को नुकसान पहुँचाएँ जिनके माथे पर भगवान की मुहर नहीं थी। प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 से, जहाँ परमेश्वर के सेवक, 144,000, मुहरबंद हैं, या चर्च, परमेश्वर के लोग, मुहरबंद हैं।

उन्हें मारने की नहीं बल्कि पाँच महीने तक यातना देने की शक्ति दी गई। और उन्हें जो पीड़ा उठानी पड़ी वह बिच्छू के डंक के समान थी जब वह किसी आदमी को मारता है। उन दिनों में, मनुष्य मृत्यु की खोज में रहते थे, परन्तु उन्हें वह नहीं मिलती थी।

वे मरने की लालसा करेंगे, परन्तु मृत्यु उनसे दूर रहेगी या उनसे दूर रहेगी। टिड्डियाँ युद्ध के लिए तैयार घोड़ों की तरह लग रही थीं। उनके सिर पर सोने के मुकुट जैसा कुछ था, और उनके चेहरे इंसानों के चेहरे से मिलते जुलते थे।

उनके बाल किसी महिला के बाल जैसे थे। उनके दाँत सिंह के दाँतों के समान थे। उनके पास लोहे के कवच के समान कवच थे।

और उनके पंखों की ध्वनि युद्ध में दौड़ते हुए बहुत से घोड़ों और रथों की गड़गड़ाहट के समान थी। उनकी पूँछें बिच्छुओं की तरह डंक मारती थीं। और उनकी पूँछ में लोगों को पाँच महीने तक पीड़ा पहुँचाने की शक्ति थी।

उनका राजा अथाह कुंड का दूत था, जिसका इब्रानी में नाम अबद्दोन और यूनानी में अपोलोन है। पहला दुःख बीत चुका है; दो अन्य का आना अभी बाकी है। अभी दो और मुसीबतें आनी बाकी हैं।

छठे स्वर्गदूत, या अब दूसरी विपत्ति, ने अपनी तुरही बजाई, और मैंने परमेश्वर के सामने सुनहरे बादाम के सींगों से एक आवाज़ सुनी। उसने छठे स्वर्गदूत से, जिसके पास तुरही थी, कहा, उन चारों स्वर्गदूतों को, जो बड़ी नदी परात के पास बंधे हुए हैं, छोड़ दो। और वे चार स्वर्गदूत जो इसी घड़ी, दिन, महीने, और वर्ष के लिये तैयार रखे गए थे, एक तिहाई मनुष्यजाति को मारने के लिये छोड़े गए।



घुड़सवार सैनिकों की संख्या 200 मिलियन थी। मैंने उनका नंबर सुना. मैंने अपनी दृष्टि में जो घोड़े और सवार देखे वे इस प्रकार दिख रहे थे।

उनके कवच उग्र लाल, गहरे नीले और गंधक के समान पीले थे। घोड़ों के सिर सिंहों के सिरों के समान थे, और उनके मुँह से आग, धुआं और गंधक निकलता था। मानव जाति का एक तिहाई हिस्सा आग, धुँएँ और गंधक की तीन विपत्तियों से मारा गया जो उनके मुँह से निकले थे।

घोड़ों की आग और शक्ति उनके मुँह और उनकी पूँछों में थी, क्योंकि उनकी पूँछें साँपों की तरह थीं जिनके सिर चोट पहुँचाने के लिए थे। शेष मानवजाति जो इन विपत्तियों से नहीं मारी गई थी, उसने फिर भी अपने हाथों के कार्यों से पश्चाताप नहीं किया। उन्होंने राक्षसों और सोने, चाँदी, काँसे, पत्थर और लकड़ी की मूर्तियों, ऐसी मूर्तियों की पूजा करना बंद नहीं किया जो न देख सकती हैं, न सुन सकती हैं और न चल सकती हैं, न ही उन्होंने अपनी हत्याओं, अपनी जादुई कलाओं, अपनी यौन अनैतिकता या अपनी चोरी से पश्चाताप किया।" तो यह तुरही अनुक्रम के कम से कम पहले छह में अंतिम दो तुरही हैं।

जैसा कि आप इसे पढ़ते हैं, मेरे लिए, यह कुछ ऐसा लगता है जो लॉर्ड ऑफ द रिंग्स उपन्यास या फिल्म में पाया जा सकता है। और मैं, एक तरह से, हर विवरण से निपटने और उसका विश्लेषण करने की कोशिश करके इसे बर्बाद नहीं करना चाहता। फिर से, मैं एक स्तर पर, पाठ को खड़ा होने देना चाहता हूँ और आपको ब्रेस्टप्लेट और मानव विशेषताओं, कीड़ों की विशेषताओं, जानवरों जैसी विशेषताओं और ब्रेस्टप्लेट पहनने वाली युद्ध जैसी विशेषताओं की इन सभी छवियों के संयोजन के प्रभाव को महसूस करने की अनुमति देना चाहता हूँ। एक भयावह छवि।

आशा है कि पाठकों ने जो सुना है उससे प्रभावित हुए होंगे, और जॉन निश्चित रूप से इसे देखकर प्रभावित हुए होंगे, और अब, उम्मीद है, पाठक इसे समग्र रूप से पढ़कर, हम सहित, कुछ प्रभाव साझा करेंगे। इसलिए, हमें इस दृष्टिकोण को समग्र रूप से सुनने की आवश्यकता है। हमें इसे समग्र रूप से देखने की जरूरत है।'

इससे पहले कि हम इसके हिस्सों का अध्ययन करें और विश्लेषण करें और यह पता लगाने की कोशिश करें कि वे वास्तव में क्या संदर्भित कर रहे हैं, हमें इसकी समग्र रूप से कल्पना करने और इसका प्रभाव प्राप्त करने की आवश्यकता है। वास्तव में, मुझे यकीन नहीं है कि इन टिड्डियों के विवरण के सभी भाग और इन घोड़ों और सवारों के विवरण के सभी भाग विच्छेदन करते हैं या आवश्यक रूप से अलग, अलग विचारों को इंगित करने के लिए हैं। लेकिन शायद, फिर से, यह इनका संयोजन है और उनका एक साथ प्रभाव है और वे इन टिड्डियों के बारे में क्या चित्रित करते हैं और वे घोड़ों पर इन सवारों के बारे में क्या चित्रित करते हैं।

लेकिन मैं इन अंतिम दो तुरहियों के इस विवरण में कुछ विशेषताओं को देखना चाहता हूँ, और वे दो समूह हैं, बहुत बड़े समूह, टिड्डियों का समूह और फिर घोड़ों और सवारों का समूह, जिनका इस पाठ में कुछ विस्तार से वर्णन किया गया है। . केवल कुछ विशेषताओं और महत्वपूर्ण विशेषताओं को देखें और फिर इन समूहों की पहचान क्या हो सकती है, इसके बारे में जानने का

प्रयास करें। और एक बार फिर, क्या वे समान हैं? क्या यह वही है? क्या वे अलग-अलग विशेषताएँ हैं? आखिर ये चीज़ें क्या हैं? वे क्या दर्शाते हैं? यह पाठ है, और मैं इसे अभी उठाऊंगा क्योंकि मुझे लगता है कि ऐसी व्याख्या पर हमारी प्रतिक्रिया स्पष्ट होनी चाहिए।

हालाँकि, अध्याय नौ उन ग्रंथों में से एक है जिसे आधुनिक युद्ध के विभिन्न उपकरणों के साथ बहुत प्रसिद्ध रूप से पहचाना गया है। इससे भी पहले की बात करें तो अध्याय नौ की शुरुआत रसातल से निकलने वाले धुएं से होती है और भाषा बाद में गंधक के घोड़ों और उनके मुंह से निकलने वाले धुएं से शुरू होती है। इससे अक्सर परमाणु युद्ध होने की कल्पना उत्पन्न होती है, और कुछ लोगों ने सोचा है कि जॉन बिल्कुल यही भविष्यवाणी कर रहा था।

टिड्डियों ने कुछ हेलीकाप्टरों आदि के रूप में युद्ध के उपकरणों का संकेत दिया है, और उनके पंखों की आवाज़ हेलीकाप्टर के प्रोपेलर ब्लेड आदि जैसी होती है, इसलिए यह आमतौर पर उन ग्रंथों में से एक है जिन्हें हमने आजमाया है आधुनिक समय की घटनाओं, यानी, आधुनिक समय के सैन्य हथियारों और युद्ध के उपकरणों के प्रकाश में इसे पढ़कर इसका अर्थ समझा जा सकता है। लेकिन फिर, हमें खुद से पूछना होगा और साहित्य के प्रकार और व्याख्या के हमारे कुछ सिद्धांतों पर वापस जाना होगा, उनमें से एक, नंबर एक, कि जॉन कल्पना और भाषा का उपयोग कर रहा है जो प्रतीकात्मक रूप से संवाद करने के लिए है।

यह भाषा और कल्पना होगी जो मुख्य रूप से पुराने नियम और सर्वनाशी ग्रंथों से निकली होगी जिससे उनके कई पाठक बहुत परिचित होंगे। लेकिन दूसरा, हमने कहा कि महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक यह है कि रहस्योद्घाटन की किसी भी व्याख्या को सम्मोहक बनाने के लिए, इसे उन मानदंडों को पूरा करना चाहिए कि यह कुछ ऐसा होना चाहिए जो जॉन का इरादा हो और उसके पहली शताब्दी के पाठक पूर्व-तकनीकी, आधुनिक में रह रहे हों सैन्य, परमाणु-पूर्व युग को समझा जा सकता था और समझा जा सकता था। तो, यह देखते हुए, ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे जॉन युद्ध के आधुनिक तरीकों को देख या उसका इरादा कर रहा हो और हेलीकाप्टर और परमाणु युद्ध का इरादा कर रहा हो।

जॉन ने उसे नहीं देखा होगा, और उसके पाठकों ने इसे कभी नहीं उठाया होगा। इसलिए, ऐसी व्याख्याओं को संभवतः खारिज कर दिया जाना चाहिए। हालाँकि, ऐसी किसी चीज़ में थोड़ा सा मूल्य हो सकता है। जब हम इसे पढ़ते हैं, तो हम लोकस और इस तरह की चीज़ों के आदी नहीं होते हैं।

जॉन, जॉन जो करता है वह उठाता है, खासकर यदि आप नहीं हैं, तो आपका पालन-पोषण किसी खेत या खेत में नहीं हुआ है; मैं उन स्थितियों में गया हूँ जहाँ लोकस प्लेग हुआ है और मैंने देखा है कि फसलों की भूमि छीनने में वे कितनी तबाही मचाते हैं। तो उस संदर्भ में कोई व्यक्ति लोकस के साथ प्रतिध्वनित हो सकता है, लेकिन कुछ जिनके पास लोकस के साथ अनुभव नहीं है या उन्होंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा है, वे उन पर उसी तरह से प्रभाव नहीं डाल सकते हैं। लेकिन जॉन वास्तव में उन छवियों को चित्रित कर रहे हैं जिन्हें उनके पाठक समझ गए होंगे और, एक तरह से, अपने पाठकों को समझने और उचित रूप से प्रतिक्रिया देने और प्रतिक्रिया देने के लिए उन्हें जीवन से भी बड़े परिदृश्यों में उड़ा रहे हैं।

वह उनके डर पर खेलता है, जो लोकस प्लेग बिच्छुओं और खतरनाक शेरों और जानवरों और उस जैसी चीजों का वास्तविक डर होता। यह समझते हुए कि पुराने नियम के यहूदी साहित्य और ग्रीको-रोमन साहित्य में रसातल क्या प्रतीक है, जॉन वह सब लेता है और उन्हें जीवन से भी बड़े परिदृश्य में उड़ा देता है, ऐसी छवियां लेता है जो उसके पाठकों के डर और आशाओं पर आधारित होती हैं। इसलिए, जो हमारे मन में डर पैदा होता है उसे कहकर हम कम से कम अपने आधुनिक समय के प्रयासों से कुछ हद तक बचाव करने में सक्षम हो सकते हैं। खैर, क्या यह परमाणु युद्ध है, या यह युद्ध का एक आधुनिक तरीका है?

संभावित विश्व युद्ध का डर जिसमें परमाणु विनाश की संभावना शामिल है। इस प्रकार की चीजें हमारे लिए उसी तरह काम कर सकती हैं जैसे यहां छवियां करती हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि जॉन बिल्कुल यही भविष्यवाणी कर रहा था, लेकिन जब हम विपत्तियों और न्याय के बारे में सोचते हैं, जब हम भगवान के अंतिम फैसले के बारे में सोचते हैं, तो कभी-कभी यह पहचानना मददगार हो सकता है कि हमारे अपने आधुनिक समय में कौन सी चीजें ऐसी चीजें हैं जिनसे हम डरते हैं, चीजें जो विनाश का संकेत देते हैं, ऐसी चीजें जो व्यापक युद्ध का संकेत देती हैं, ऐसी चीजें जो अराजकता और बुराई का संकेत देती हैं, और उन्हें देखने से हमें शायद उसी तरह से प्रतिक्रिया करने में मदद मिलती है जैसे मूल पाठकों ने प्रकाशितवाक्य अध्याय 9 में छवियों पर प्रतिक्रिया दी होगी, हमारे सुझाव के बिना आधुनिक युद्ध और परिदृश्य और छवियां वही हैं जिनकी जॉन वास्तव में भविष्यवाणी कर रहा था।

नहीं, ऐसी बात नहीं है। लेकिन इस प्रकार की चीजें हमें इसके प्रभाव को समझने और हमारे अंदर भय और प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करने में उसी तरह मदद कर सकती हैं जैसे जॉन के पहले पाठक में हुई थीं। अब, पहली चीज़ जो जॉन अध्याय 9 में देखता है वह एक और स्वर्गदूत या कोई अन्य तारा है जो आकाश से गिरता है।

हमने कहा कि, विशेष रूप से सर्वनाशी साहित्य और अन्य जगहों पर, सितारे अक्सर देवदूत प्राणियों का संकेत देते हैं, और शायद यहाँ भी यही हो रहा है। इस देवदूत का प्राथमिक कार्य क्या है? यह रहस्योद्घाटन की सर्वनाशकारी प्रकृति का एक अच्छा संकेत है, जहां देवदूत प्राणी अलग-अलग भूमिका निभाते हैं, लेकिन इस देवदूत का कार्य रसातल की कुंजी को पकड़ना और वास्तव में जाकर इसे अनलॉक करना है ताकि अन्य देवदूत प्राणियों या राक्षसी प्राणियों को बाहर निकाला जा सके। रसातल से। अब, रसातल एक ऐसा शब्द है जिसका सर्वनाशी साहित्य में काफी लंबा इतिहास प्रतीत होता है, लेकिन प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में भी, अधिकांश सर्वनाश साहित्य में रसातल एक प्रकार की जेल या राक्षसी प्राणियों का घर है।

प्रकाशितवाक्य में ही, अध्याय 11 में, हम देखेंगे कि जानवर, एक दुष्ट, अराजक, राक्षसी प्रकार की आकृति, जानवर अध्याय 11 में रसातल से बाहर आता है। अध्याय 17 और श्लोक 8 में, जानवर को आते हुए वर्णित किया गया है रसातल से बाहर, जो उचित है, रसातल दुष्ट, राक्षसी, आध्यात्मिक और अलौकिक प्राणियों का घर या जेल है। और फिर, अध्याय 20, श्लोक 1 और 3 में, शैतान को रसातल में बंद कर दिया जाता है और बाद में उसे बाहर निकाल दिया जाता है

ताकि यहाँ का रसातल तुरंत हमारे दिमाग में दुष्ट, राक्षसी, शैतानी, अलौकिक प्राणियों के घर का आभास करा दे।

और जब रसातल खुलता है तो धुआं निकलता है। और इस धुएँ में हम मूलतः टिड्डियों का एक समूह पाते हैं, इस धुएँ से निकलता हुआ टिड्डियों का एक पूरा बादल। इसके बाकी हिस्सों में, पाँचवीं मुहर या पाँचवीं तुरही के वर्णन में टिड्डियाँ ही ध्यान आकर्षित करती हैं।

टिड्डियों के पास कम से कम निर्णय तो है; परमेश्वर के न्याय के प्रतीक के रूप में, टिड्डियों के पास कम से कम दो पुराने नियम के पूर्ववृत्त हैं। उनमें से एक निर्गमन 10 और 1 से 15 तक की टिड्डियों की महामारी है। दूसरी जोएल अध्याय 1 और 2, अध्याय 1:2 से 2:11 तक की टिड्डियों की महामारी है। दरअसल, जोएल अध्याय 1 और 2 में, हम एक हमलावर टिड्डी प्लेग के बारे में पढ़ते हैं।

और मैं इसमें से कुछ ही पढ़ंगा, परन्तु हे पुरनियों, इसे सुनो, यह जोएल अध्याय 1 और पद 2 है। हे पुरनियों, इस देश में रहनेवाले सब लोगों की सुनो, यह सुनो। क्या आपके दिनों में या आपके पूर्वजों के दिनों में कभी ऐसा कुछ हुआ है? इसे अपने बच्चों को बताएं और अपने बच्चों को इसे अपने बच्चों को बताने दें, वगैरह-वगैरह। टिड्डी दल ने जो कुछ छोड़ा है उसे बड़ी टिड्डियों ने खा लिया है।

बड़ी टिड्डियों के पास जो कुछ बचा वह युवा टिड्डियों ने खा लिया। युवा टिड्डियों ने जो कुछ छोड़ा, उसे अन्य टिड्डियों ने खा लिया। हे शराबियों, जाग जाओ, और रोओ।

तुम सब दाखमधु पीनेवालों, विलाप करो! नये दाखमधु के लिये विलाप करो, क्योंकि वह तुम्हारे होठों से छीन लिया गया है। एक जाति ने तेरे देश पर आक्रमण किया है, वह अनगिनत शक्तिशाली है, और उसके दांत सिंह के से और विष सिंहनी के से हैं।

उस ने मेरी लताएं उजाड़ दीं, और मेरे अंजीर के वृक्ष भी उजाड़ दिए। इसने उनकी छाल उतार कर फेंक दी है, और उनकी शाखाएं सफेद हो गयी हैं। मैं वहीं रुकूंगा, और मैं अध्याय 2 पर जाऊंगा और उनमें से कुछ छंदों को पढ़ंगा, लेकिन यह पूरा खंड एक विदेशी आक्रमण की तबाही की तुलना टिड्डी प्लेग के आक्रमण से करता है।

अध्याय 2, अब तुरही के साथ संबंध पर ध्यान दें। सिथ्योन में तुरही बजाओ। पवित्र पहाड़ी पर अलार्म बजाओ।

देश के सब रहनेवाले कांप उठें, क्योंकि यहोवा का दिन आ रहा है। यह हाथ के करीब है। अंधेरे और उदासी का दिन, बादलों और अंधकार का दिन, पहाड़ पर फैलती हुई सुबह की तरह।

अंधेरे और कालेपन की उस भाषा पर ध्यान दें, जो प्रकाशितवाक्य अध्याय 9 में रसातल से बाहर आने पर धुआं उत्पन्न करता है। एक बड़ी और शक्तिशाली सेना आती है, जैसी न तो पहले कभी थी और न ही आने वाले युग में कभी होगी। उनके आगे पीछे अग्नि ज्वाला की भाँति भस्म कर देती है। उनके सामने भूमि अदन की वाटिका के समान है।

उनके पीछे, एक रेगिस्तानी बर्बादी है, और कुछ भी नहीं बचता है। तो विचार यह है कि, उनके वहां पहुंचने से पहले, भूमि अच्छी हो और ईडन गार्डन की तरह हो। इससे पार पाने के बाद विनाश के अलावा कुछ नहीं बचता।

सब कुछ बर्बाद हो गया है। वे घोड़ों की तरह दिखते हैं। वे घुड़सवार सेना की भाँति सरपट दौड़ते हैं।

वे रथ के समान शोर के साथ पहाड़ों पर छलांग लगाते हैं, जैसे खूँटी को भस्म करने वाली तेज आग, युद्ध के लिए तैयार की गई एक शक्तिशाली सेना की तरह। उन्हें देखकर राष्ट्रों को पीड़ा होती है। हर चेहरा पीला पड़ जाता है।

वे योद्धाओं की तरह आक्रमण करते हैं। वे सैनिकों की तरह दीवारें फांदते हैं। वे बहुत हद तक लाइन में हैं, अपने रास्ते से नहीं भटक रहे हैं।

वे एक दूसरे के साथ धक्का-मुक्की नहीं करते। प्रत्येक सीधे आगे बढ़ता है। पद 9. वे नगर पर धावा बोलते हैं।

वे दीवार के साथ-साथ दौड़ते हैं। वे चोरों की भाँति घरों में चढ़ते हैं जो खिड़कियों से घुसते हैं। उनके साम्हने पृथ्वी हिलती और कांपती है।

सूर्य और चंद्रमा अंधकारमय हो गए हैं, और तारे अब चमकते नहीं रहे। प्लेग नंबर चार से दिलचस्प कनेक्शन। दूसरे शब्दों में, प्लेग नंबर चार, प्रकाशितवाक्य 8 में तुरही नंबर चार, जो सितारों और आकाश को अंधेरा कर रहा है, अब अध्याय 9 में टिड्डी प्लेग से संबंधित प्रतीत होता है। कनेक्शन पहले से ही जोएल अध्याय 2 में पाया गया है। प्रभु उसकी सेना के मुखिया पर गरजता है।

उसकी सेनाएँ संख्या से परे हैं और जो लोग उसकी आज्ञा का पालन करते हैं वे शक्तिशाली हैं। प्रभु का दिन महान है। यह भयानक है।

इसे कौन सह सकता है? तो, जॉन ने मिस्र की विपत्तियों के चित्रण के आधार पर, निर्गमन 10 से शुरू करते हुए, टिड्डी विपत्ति को लिया, लेकिन एक और महान टिड्डी विपत्ति को भी चित्रित किया, जो स्पष्ट रूप से जोएल अध्याय 1 और 2 में रूपक के रूप में उपयोग किया जाता है, अब चरम को चित्रित करने के लिए और पूर्ण विनाश और विनाश जो अब यह टिड्डियों का प्रकोप अध्याय 9 में उत्पन्न करेगा। और आज भी, जैसा कि मैंने कहा है, यदि किसी ने कभी टिड्डियों का प्रकोप देखा है, या यदि आप किसान या पशुपालक हैं, या आपने देखा है टिड्डी प्लेग के साक्ष्य से, कोई भी उस विनाश की भयावहता को समझ सकता है जो टिड्डी प्लेग ने पाठकों के जीवन से भी बड़ा बना दिया था। लेकिन यह स्पष्ट रूप से कोई सामान्य टिड्डियों का प्रकोप नहीं है। यह कीड़ों, जानवरों, बिच्छुओं और यहां तक कि मनुष्यों का एक संयोजन है जो पाठकों में भय और भय पैदा करने के लिए है।

इसके अलावा, यह दिलचस्प है कि यह टिड्डी प्लेग वनस्पति को नुकसान नहीं पहुंचाता है, जिसकी आप उम्मीद करेंगे, बल्कि इसके बजाय, यह टिड्डी प्लेग अद्वितीय है क्योंकि यह मानवता को नुकसान पहुंचाता है, जिनके पास प्रकाशितवाक्य अध्याय 7 से मुहर नहीं है। शायद, जब हम पूछते हैं प्रकाशितवाक्य अध्याय 9 में यह प्रश्न कि ये टिड्डियाँ क्या हैं या कौन हैं, वे स्पष्ट रूप से प्रतीकात्मक हैं, लेकिन किसका प्रतीक हैं? और ग्रांट ओसबोर्न, रहस्योद्घाटन पर अपनी टिप्पणी में कहते हैं कि यह शायद रहस्योद्घाटन की पुस्तक में पाई गई किसी भी चीज़ का सबसे विचित्र वर्णन है। हम इन्हें कैसे पहचानें? सबसे अधिक संभावना है, और मुझे लगता है कि टिप्पणियों में इस पर काफी व्यापक सहमति है, हमें संभवतः इस टिड्डी प्लेग को राक्षसी प्राणियों के रूप में पहचानना चाहिए। मुझे लगता है कि यह इस तथ्य से तुरंत स्पष्ट हो जाता है कि वे रसातल से बाहर आते हैं।

पुनः, सर्वनाशी साहित्य में, यहाँ तक कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में भी, रसातल जानवर का स्रोत है। यह शैतानी, राक्षसी प्राणियों, अलौकिक प्राणियों का स्रोत है, इसलिए हमें इन टिड्डियों को हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज के रूप में या शाब्दिक भौतिक टिड्डी के रूप में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमें इन्हें उनके द्वारा किए जाने वाले विनाश में राक्षसी हमले के प्रतीक के रूप में लेना चाहिए। तो फिर, टिड्डियों से होने वाली हानि या पीड़ा क्या है? कुछ बार, यह कहा गया कि टिड्डियों को मनुष्यों को पीड़ा देने की अनुमति है।

वे ऐसा बिच्छू जैसी दिखने वाली पूँछ से करते हैं। इसके द्वारा, उनके पास मनुष्यों को नुकसान पहुंचाने, पीड़ा देने और समस्याएं पैदा करने का अधिकार है। एक बार फिर, मुझे लगता है कि सटीक रूप से बताना मुश्किल है।

क्या यह शारीरिक पीड़ा है? यदि ऐसा है, तो ये क्या है? क्या यह आध्यात्मिक पीड़ा है? क्या यह दोनों का मिश्रण है? शायद हमें इसे अध्याय 8, श्लोक 12 में चौथी तुरही के प्रकाश में फिर से देखना होगा, जो अंधकार ला रहा है, अंधकार और व्यर्थता का कारण बन रहा है, ताकि हम इसे समझ सकें कि टिड्डियाँ लोगों को नुकसान पहुंचाती हैं और उन्हें और अधिक पीड़ा पहुंचाती हैं। निराशा और अंधकार में, और आगे चलकर उनकी मूर्तिपूजा की निरर्थकता को प्रदर्शित करता है। दूसरे शब्दों में, क्या यह संभव है कि वे इतनी भयानक आध्यात्मिक हानि पहुंचा रहे हैं कि लेखक कह सके कि वे मृत्यु की भी तलाश में हैं, और मृत्यु उनसे दूर भी भाग जाती है? लेकिन एक विशेषता जो मैं इंगित करना चाहता हूँ, या इस टिड्डी प्लेग के विवरण के बारे में दो दिलचस्प विशेषताएं, सबसे पहले, यह तथ्य है कि ऐसा कहा जाता है कि टिड्डियों को पांच महीने तक काम करने की अनुमति दी गई थी। कुछ लोगों ने, प्रकाशितवाक्य में अन्य संख्याओं और समयावधियों की तरह, इसे शाब्दिक रूप से पढ़ने का प्रयास किया है।

संभवतः सबसे अच्छी व्याख्या यह है कि टिड्डियों का सामान्य जीवन चक्र पांच महीने का होता है, इसलिए हमें इसे शाब्दिक रूप से नहीं लेना चाहिए। हो सकता है कि यह, फिर से, सीमा को इंगित करता है कि यह अंतिम निर्णय नहीं है, लेकिन पांच महीनों को छोटी अवधि के संकेत के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए, न ही इसे पांच शाब्दिक महीनों के रूप में लिया जाना चाहिए, बल्कि केवल यह इंगित करने के लिए कि लेखक बस है टिड्डियों की विशिष्ट जीवनशैली की भाषा का चित्रण करते हुए, वे मूल रूप से पांच महीने तक जीवित रहेंगे, इसलिए अब वह प्रतीकात्मक

रूप से टिड्डियों को पांच महीने की अवधि के लिए अपना काम करने के रूप में चित्रित करते हैं, जो उस दिन टिड्डियों की विशिष्ट जीवनशैली है। दूसरी दिलचस्प विशेषता जो असामान्य है वह यह है कि अध्याय 9 और श्लोक 11 में टिड्डियों का एक नेता प्रतीत होता है, एक नेता जिसका वर्णन दो शब्दों से किया गया है, हिब्रू शब्द एबडॉन और ग्रीक शब्द अपोलोन, ये दोनों विनाश या विनाशक का संकेत देते हैं। नेता का नाम, जो टिड्डियों के इस समूह के नेता के लिए पूरी तरह से उपयुक्त है, इसलिए नेता शायद एक और देवदूत प्राणी है, शायद वह तारा जो नीचे गिरता है और रसातल को खोलता है, तारा एक देवदूत प्राणी का प्रतीक है, क्या यह है संभव है कि यही टिड्डियों का नेता हो? इस नेता के लिए कुछ अन्य संभावनाएं हैं, जिन्हें हिब्रू या ग्रीक में एबडॉन या अपोलोन कहा जाता है।

उनमें से एक यह है कि यह एक संकेत हो सकता है, जो निर्गमन विपत्तियों को फिर से उठा रहा है; यह निर्गमन विपत्तियों में मृत्यु के दूत की ओर संकेत हो सकता है। यह सर्वनाशकारी साहित्य में कुछ स्थानों पर मृत्यु के दूत के एक विचार का संकेत भी हो सकता है जिसे भगवान ने राक्षसी प्राणियों के लिए जिम्मेदार के रूप में अंडरवर्ल्ड को सौंपा है। यह इस देवदूत, इस नेता की ओर भी संकेत हो सकता है जिसे विध्वंसक कहा जाता है, जो नष्ट करता है, जो विनाश लाता है।

लेकिन किसी भी मामले में, कल्पना यह है कि जो चल रहा है उसकी विनाशकारी प्रकृति को जोड़ना है। ये टिड्डियाँ, जो एल अध्याय दो में वर्णित टिड्डियों की तरह, एक नेता प्रतीत होती हैं। अर्थात्, वे क्रम से चलते हैं, और वे एक सेना के रूप में निकलते हैं, और ऐसा प्रतीत होता है कि उनके पास एक नेता है जो विनाश पर भी तुला हुआ है।

अब, इस प्लेग के बारे में दिलचस्प बात यह है कि ऐसा लगता है जैसे लेखक अपने पाठकों, पहली शताब्दी के पाठकों को बता रहा है कि जिन बुतपरस्त देवताओं की वे पूजा करने के लिए प्रलोभित हैं, उनके पीछे, रोम के देवताओं और रोम की मूर्तिपूजक व्यवस्था के पीछे और उसकी गतिविधियाँ, अंततः शैतान और उसके राक्षसों पर आधारित हैं। विडम्बना यह है कि जिन देवताओं की वे पूजा करते थे और उन्हीं मूर्तिपूजक प्रतिमाओं की, जिनकी वे पूजा करते थे, श्लोक 20 और 21 में बिल्कुल अंत में स्पष्ट हो जाता है, विशेष रूप से 20, उन मूर्तियों से परिचित कराया गया जिनकी वे पूजा करते थे, और उन्होंने पश्चाताप करने से इनकार कर दिया। पूजा करने से वास्तव में वे ही मूर्तियाँ उन पर व्यंग्य करती हैं और उन्हें नुकसान पहुँचाने और उन्हें नष्ट करने की कोशिश करती हैं।

वे जिन देवताओं का अनुसरण करते हैं, वे ही वे देवता हैं जो विडम्बनापूर्ण रूप से उन्हें पीड़ा देते हैं। तो, अध्याय नौ की पहली प्लेग की पहचान दुष्ट, राक्षसी प्राणियों की प्लेग से की जाती है। उस प्लेग का कार्य, एक बार फिर, मूर्तिपूजा की राक्षसी प्रकृति और, एक अर्थ में, इसकी विनाशकारी प्रकृति को प्रदर्शित करके उनकी मूर्तिपूजा पर हमला है, कि वे जिन देवताओं की पूजा करते हैं, रोम में उसी मूर्तिपूजा प्रणाली में वे भाग लेते हैं। मैं, अब उन्हें नष्ट करने के लिए, निरर्थकता को प्रदर्शित करने के लिए, आध्यात्मिक अंधकार को प्रदर्शित करने के लिए उनके खिलाफ हो जाता है जिसमें वे डूबे हुए हैं, कुछ इतना भयानक कि मृत्यु एक व्यवहार्य विकल्प होगा, जैसे कि अब मूर्तिपूजक रोम पर भगवान का फैसला आ रहा है, लेकिन किसी पर भी इसमें प्रकाशितवाक्य अध्याय दो और तीन के सात चर्चों के सदस्य भी शामिल होंगे।

तुरही संख्या छह, या शोक संख्या दो। श्लोक 13 में, दिलचस्प ढंग से, इस तुरही प्लेग को एक ऐसे तरीके से पेश किया गया है जो अन्य से अद्वितीय है। यद्यपि पिछले वाले के समान, इसमें एक देवदूत भी शामिल है जो स्पष्ट रूप से कुछ घटित होने की अनुमति देने के लिए कुछ खोल रहा है।

अर्थात्, श्लोक 13 में, हमें एक देवदूत से परिचित कराया जाता है जो अपनी तुरही बजाता है, और अब वेदी से एक गुमनाम आवाज आती है। तो, ध्यान दें कि हमारे पास फिर से वेदी है, और यहां स्वर्ण वेदी के सींगों का उल्लेख किया गया है, इसलिए हम एक तरह से स्वर्गीय सिंहासन कक्ष और एक स्वर्गीय दृश्य में वापस आ गए हैं, और अब वेदी से एक गुमनाम आवाज आती है, और यहां यह वही है जो यह कहता है। यह छठे स्वर्गदूत को संबोधित करता है जिसके पास तुरही है, और इस स्वर्गदूत को अब चौथे स्वर्गदूत को करना है, या इस स्वर्गदूत को अपनी तुरही बजाना है और चार स्वर्गदूतों को मुक्त करना है जो फरात नदी में बंधे हैं।

तो, अब हमारे पास सभी प्रकार के देवदूत प्राणी फिर से भूमिका निभा रहे हैं, एक बार फिर यह सुझाव दे रहे हैं कि मुख्य रूप से यह प्लेग एक अलौकिक होगा या इस प्लेग में देवदूत या राक्षसी प्रकार के प्राणी शामिल होंगे। लेकिन तब क्या होता है जब ये चार स्वर्गदूत जो फरात में बंधे होते हैं, रिहा हो जाते हैं? फिर बहुत सारे घोड़े या घुड़सवार सेना, घोड़े अपने सवारों के साथ बाहर निकलते हैं, और एक बार फिर, यह स्पष्ट है कि उनका मतलब नुकसान पहुंचाना है, कि उनका मतलब नष्ट करना है, और उनका मतलब हारना और जीतना है। अब, पहला सवाल यह है कि दुनिया में ये चार स्वर्गदूत परात पर बंधे कौन हैं? चार स्वर्गदूत कौन हैं, और वे क्या दर्शाते हैं? उनमें से चार क्यों, और परात क्यों? हो सकता है कि यहां ये चार देवदूत अध्याय सात में वही चार देवदूत हों जो चार हवाओं, यानी न्याय की चार हवाओं को रोकते हैं।

अब, अध्याय सात और एक और दो में, पहले उस दृश्य को याद रखें, चार हवाओं को चलने की इजाजत है, चार विपत्तियां, भगवान स्वर्गदूतों को आदेश देते हैं कि वे उन्हें तब तक रोके रखें जब तक वह अपने सेवकों को सील नहीं कर लेते, जो इसका सामना करने में सक्षम हैं, जिनको कोई नुकसान नहीं होगा। अब, शायद हम चार स्वर्गदूतों या चार हवाओं को मुक्त होते हुए देखते हैं और अब बाहर जाकर नुकसान पहुंचाने में सक्षम हैं, बाहर जाकर कहर बरपाने में सक्षम हैं; अर्थात्, हवाएँ न्याय का प्रतीक हैं। अब, इन चार स्वर्गदूतों को रिहा कर दिया जाएगा, और उनका न्याय होगा।

अगला प्रश्न यह है कि फुरात नदी ही क्यों? कई लोगों ने इसे शाब्दिक रूप से लेने की कोशिश की है, और यहां तक कि आधुनिक समय में यूफ्रेट्स नदी में क्या हो रहा है और सैनिक इसे कैसे पार कर सकते हैं और इस तरह की चीजों में भी बहुत रुचि है। हालाँकि, सबसे अधिक संभावना है, फिर भी, जॉन पुराने नियम से प्रतीकात्मक कल्पना या भाषा का उपयोग कर रहा है और कुछ कहने के लिए इसे अपनी दृष्टि में प्रतीकात्मक रूप से उपयोग कर रहा है। मुख्य बात यह समझना है कि यूफ्रेट्स दोहरी भूमिका निभा सकते हैं।



एक बार फिर, यह एक से अधिक पृष्ठभूमि का विचारोत्तेजक हो सकता है। यूफ्रेट्स नदी ने उत्तर से आक्रमण या यूफ्रेट्स नदी के पार आने वाले आक्रमण की उम्मीद में पुराने नियम के भविष्यवाणी पाठ में एक भूमिका निभाई। तो, पुराने नियम की पृष्ठभूमि है जहां पुराने नियम की अपेक्षाओं के आलोक में सेना के पार करने के लिए फ़रात एक उपयुक्त स्थान होगा।

यहीं पर आप आक्रमण की उम्मीद करेंगे। आप यही उम्मीद करेंगे कि एक सेना आएगी, एक आक्रमणकारी सेना जो फ़रात नदी की दिशा से आएगी। इसके अलावा, हालांकि, ग्रीको-रोमन साम्राज्य के साथ, यूफ्रेट्स रोमन साम्राज्य की सबसे पूर्वी सीमा थी।

एक और दिलचस्प बात यह है कि रोमन साम्राज्य के सबसे भयंकर दुश्मनों में से एक, तथाकथित पार्थियन योद्धा, उस क्षेत्र में रहते होंगे। तो, ग्रीको-रोमन पृष्ठभूमि के लिए, किसी ने यूफ्रेट्स को देखा होगा। यही वह दिशा है जहाँ से रोम के भयंकर शत्रु पार्थियन सेना आएगी।

या, पुराने नियम के परिप्रेक्ष्य से, पुराने नियम के भविष्यसूचक साहित्य के प्रकाश में, यहीं आप एक हमलावर सेना की भी उम्मीद करेंगे। इसलिए, यहां फरात नदी के उल्लेख का शाब्दिक अर्थ नहीं लिया जाना चाहिए, लेकिन इसका उल्लेख एक हमलावर सेना के बारे में फिर से विचारोत्तेजक है। सो, वे परात शब्द सुनते हैं; यहां पुराने नियम की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए एक हमलावर सेना आती है, लेकिन साथ ही वह रोमन साम्राज्य में रहने वाले लोगों के डर से भी खेलती है।

हम इस बारे में थोड़ा और बात करेंगे कि ये चार स्वर्गदूत कौन हैं, वे क्या करते हैं, और यह हमलावर सेना क्या है जो दृश्य में उभरती है। इसका टिड्डियों की महामारी से क्या संबंध हो सकता है जिसका वर्णन लेखक ने अध्याय नौ के पहले भाग में किया है?

यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक पर अपने पाठ्यक्रम में डॉ. डेव मैथ्यूसन हैं। यह सत्र 14, प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 और 9, सात तुरहियाँ और निर्गमन कल्पना है।